JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

MEDIA COVERAGE

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Title	Name of Publication	Page No	Date
1.	फिल्म फेस्टिवल जेकेके में तीन से	डेली न्यूज	13	August 30, 2012
2.	बायोडायवर्सिटी को करीब से जानेगा जयपुर	दैनिक भास्कर	01	Sep 02, 2012
3.	कैदी जानेंगे विज्ञान की भाषा	राजस्थान पत्रिका	07	Sep 02, 2012
4.	Six days biodiversity Film Fest from Sept 3	Times of India	02	Sep 02, 2012
5.	फिल्म फेस्टिवलकल से	डेली न्यूज	02	Sep 02, 2012
6.	बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल व फोरम का उदद्घाटन आज	दैनिक नवज्योति	08	Sep 03, 2012
7.	बायोडायवर्सिटीकंजर्वेशन पर हो पॉलिसी	दैनिक भास्कर	06	Sep 03, 2012
8.	बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवलआज से	मार्निंग न्यूज	05	Sep 03, 2012
9.	बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवलआज से	पंजाब केसरी	01	Sep 03, 2012
10.	पर्यावरण सरंक्षण में राजस्थान ने की काफी प्रगति : गहलोत	सांध्य लोकदशा	01	Sep 04, 2012
11.	Screening Nature	DNA	03	Sep 04, 2012
12.	राजस्थान जैव विविधता से समृद्ध गहलोत	डेली न्यूज	06	Sep 04, 2012
13.	पर्यावरण सरंक्षण से जुडे कानूनों की सही पालना हो सुनिश्चित मुख्यमंत्री	राष्टदूत	01	Sep 04, 2012
14.	पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूकता आई गहलोत	समाचार जगत	11	Sep 04, 2012
15.	इंसानी हाथों में गोडावन का भविष्य	डेली न्यूज	16	Sep 04, 2012
16.	पर्यावरण सरंक्षण में राजस्थान ने की काफी प्रगति : गहलोत	दैनिक लोकदशा	01	Sep 04, 2012
17.	अब पहल बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की	दैनिक भास्कर	18	Sep 04, 2012
18.	छह दिवसीय बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल का आगाज	डेली न्यूज	01	Sep 04, 2012
19.	व़क्ष विधाता जीवन दाता से की फरियाद	राजस्थान पत्रिका	01	Sep 04, 2012
20.	वातावरण में व़क्ष विधाता जीवन दाता	दैनिक भास्कर	17	Sep 04, 2012
21.	Instil Love for Environment in Kids, Says CM	Hindustan Times	02	Sep 04, 2012
22.	विज्ञापन में हो विज्ञान शामिल	दैनिक भास्कर	24	Sep 05, 2012
23.	समझें एप्वायर्नमेंट की अहमियत	राजस्थान पत्रिका	16	Sep 05, 2012
24.	जैव विविधता की ली जानकारी	राजस्थान पत्रिका	16	Sep 05, 2012
25.	एपवायरमेंट फ्रेंडली बनेंगे कैदी	डेली न्यूज	07	Sep 06, 2012
26.	कैदियों ने देखी बायोडायवर्सिटी फिल्में	दैनिक भास्कर	19	Sep 06, 2012
27.	शिक्षा से जोडकर बचाया जा सकेगा पर्यावरण	लोकदशा	12	Sep 06, 2012
28.	छाया पर्यावरण का फिल्मी वातवरण	राजस्थान पत्रिका	16	Sep 06, 2012

JAIPUR CMS vatavaran Biodiversity Film Festival and Forum 2012 TRAVELLING

29.	बायोडायवर्सिटी पर बनी फिल्में देखीं कैदियों ने	पंजाब केसरी	02	Sep 06, 2012
30.	कैदियों ने जाना पर्यावरण संरक्षण के बारे में	समाचार जगत	02	Sep 06, 2012
31.	कैदियों ने जानी जैव विविधता की बारीकियां	मार्निंग न्यूज	02	Sep 06, 2012
32.	यंग सपोर्ट से बनेगी बात	डेली न्यूज	14	Sep 07, 2012
33.	पछियों को उडने दे	दैनिक भास्कर	19	Sep 07, 2012
34.	Film Festival at BhatiyaVidyaBhawan	DNA	09	Sep 07, 2012
35.	सीखें ग्रीन फिल्म मेंकिंग के गुर	राजस्थान पत्रिका	18	Sep 07, 2012
36.	छात्रों ने सीखें ग्रीन फिल्म मेंकिंग के गुर	पंजाब केसरी	02	Sep 07, 2012
37.	सभी को करने होंगे प्रयास	राजस्थान पत्रिका	16	Sep 08, 2012
38.	एक छोटा सा प्रयास बचाएगा वायोडायवर्सिटी	दैनिक भास्कर	24	Sep 08, 2012
39.	पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशाला	पंजाब केसरी	03	Sep 08, 2012
40.	पर्यावरण संरक्षण को लेकर छात्राओं ने देखी फिल्में	दैनिक नवज्योति	04	Sep 08, 2012
41.	पर्यावरण संरक्षण पर फिल्म फेस्टिवल	दैनिक भास्कर	24	Sep 08, 2012
42.	लोकल कनेक्शन से लडे ग्लोबल वार्मिंग की लडाई	डेली न्यूज	14	Sep 08, 2012
43.	बायोडायवर्सिटी फिल्म कार्यक्रम का समापन	दैनिक नवज्योति	04	Sep 08, 2012
44.	गावों में है सोने की चिडिया	दैनिक भास्कर	17	Sep 09, 2012
45.	फिल्म महोत्सव का समापन	राजस्थान पत्रिका	23	Sep 09, 2012
46.	Awareness Drive on Biodiversity	Hindustan Times	02	Sep 09, 2012

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
1.	डेली न्यूज	August 30, 2012	13

फिल्म फेस्टिवल जेकेके में तीन से

जयपुर। जयपुर बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल 3 सितंबर को जवाहर कला केंद्र में होगा। सीएमएस एनवायरमेंट और राजस्थान यूनिवर्सिटी स्थित कम्यूनिकेशन एवं लाइफ लॉग डिपार्टमेंट द्वारा किए जा रहे इस फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे। इस मौके पर प्रसार भारती के लिए बनाई गई फिल्म 'रोलिंग ड्यून्स ऑफ थार' की स्पेशल स्क्रीनिंग भी होगी। 25 मिनट की इस फिल्म को नरेश बेदी ने बनाया है। उद्घाटन अवसर पर पर्यावरण सरंक्षण के लिए काम करने वाले ग्रीन एंबेसेडर्स का सम्मान भी किया जाएगा। 8 सितंबर तक जयपुर के अलग-अलग हिस्सों में फिल्म के प्रदर्शन के अलावा ईकोटूर, सेमीनार और फिल्म फेस्टिवल में 50 से ज्यादा अवार्ड विनिंग फिल्म दिखाकर पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
2.	दैनिक भास्कर	Sep 02, 2012	01

बायोडायवर्सिटी को करीब से जानेगा जयपुर

जेकेके के रंगायन में 3 सितंबर को शुरू होगा जयपुर का पहला बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल

सिटी रिपोर्टर. पर्यावरण में लगातार परिवर्तन क्यों होते हैं, वन और वन्यजीवों का क्या महत्व है, वैज्ञानिकों की सोच क्या है, जैव विविधता के लिए क्या नए आविष्कार

फिल्म फेस्टिवल

हुए हैं? जयपुराइट्स को इन प्रश्नों के जवाब मिल सकेंगे 3 सितंबर से शुरू होने वाले बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल में। सीएमएस वातावरण संस्था की ओर से यह फेस्टिवल 6 दिन चलेगा। जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शाम 5 बजे इसका उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर वन व पर्यावरण विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी वी.के. सिंह, तरुण भारत संघ के चेयरमैन राजेन्द्र सिंह, राजस्थान यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर मास कम्यूनिकेशन डिपार्टमेंट के हैड डॉ. संजीव भानावत उपस्थित रहेंगे। फेस्ट में शहर के 15 हजार से अधिक लोगों को जोड़ा जाएगा। उन्हें फिल्म, सेमिनार और वर्कशॉप के माध्यम से विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाएगी। इसमें विद्यार्थियों, पर्यावरणविदों के साथ सेंट्रल जेल के कैदी और पुलिसकर्मी भी भाग लेंगे। राजस्थान यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन और लाइफलॉन्ग लर्निंग डिपार्टमेंट कार्यक्रम में सहयोगी है।

फेस्टिवल, सेमिनार और वर्कशॉप : 4 से 8 सितंबर तक राजस्थान यूनिवर्सिटी के मास कम्यूनिकेशन और लाइफलॉन्ग लर्निंग डिपार्टमेंट, कनोड़िया कॉलेज, प्रतापनगर विद्याश्रम स्कूल, आईसीजी, आईआईएस, प्रथम राजस्थान भट्टा बस्ती, सेंट्रल जेल, आरपीए, सुबोध कॉलेज सहित कई सेंटरों पर फिल्म दिखाई जाएंगी। इसी दिन दोपहर 2:30 बजे मास कम्युनिकेशन विभाग में मीडिया राउंड टेबल सेमिनार होगा, 6 सितंबर को सुबह 10 से शाम 5:30 बजे तक मास कम्युनिकेशन व स्मृति वन में ग्रीन फिल्म मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। जबकि 7 को शाम 3 से 4:30 बजे तक लाइफलॉन्ग लर्निंग विभाग में 'राजस्थान में बदलते क्लाइमेट में बायोडायवर्सिटी' विषय पर सेमिनार होंगे।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
3.	राजस्थान पत्रिका	Sep 02, 2012	07

कैदी जानेंगे विज्ञान की भाषा

Just रिपोर्टर
justreporter.jaipur@patrika.com

जयपुर. सेंट्रल जेल के कैदियों भी पर्यावरण और विज्ञान के बारे में जानकारी ले सकेंगे। इसके लिए उन्हें बायोडाइवर्सिटी विषय पर बनी फिल्म दिखाई जाएगी। सीएमएस वातावरण संस्था की ओर से जयपुर में सोमवार से छह दिवसीय बायोडाइवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल शुरू होगा। जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में शाम 5 बजे राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गाहलोत इसका उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर कानोडिया कॉलेज की छात्राओं की ओर से नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएंगी। साथ ही फिल्म 'रोलिंग ड्यून ऑफ थार' की स्क्रीनिंग होगी। राजस्थान विश्वविद्यालय का सेन्टर फॉर मास कम्यूनिकेशन और लाइफ लॉन्ग लर्निंग डिपार्टमेंट इस आयोजन के सहयोगी हैं।

होंगे कई कार्यक्रम

फेस्टिवल डायरेक्टर अलका तोमर ने बताया कि जैवविविधता की जागरुकता बढ़ाने के लिए पुलिस अकादमी, यूनिवर्सिटी, कॉलेज, स्कूलों आदि जगहों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस फेस्टिवल का थीम बायोडायवर्सिटी कंजरवेशन रखी गई है। इस अवसर पर लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग की निदेशक प्रो.शशि सहाय ने कहा कि बच्चों और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी जाएगी।

फेस्टिवल, सेमिनार और वर्कशॉप

4 सितम्बर, समय 2:30, स्थान आरयू का मास कम्यूनिकेशन विभाग, विषय मीडिया राउंड टेबल सेमिनार।

6 सितम्बर, समय 10 से 5:30 तक, स्थान मास कम्यूनिकेशन व स्मृति वन, विषय ग्रीन फिल्म मेकिंग वर्कशॉप।

7 सितम्बर, समय 3 से 4:30 बजे तक, स्थान लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग, विषय राजस्थान में बदलते क्लाइमेट में बायोडाइवर्सिटी।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
4.	Times of India	Sep 02, 2012	02

Six-day biodiversity film fest from Sept 3

Jaipur: Pink City will be hosting a six-day biodiversity film festival and forum from September 3. The event will showcase nearly 50 movies and documentaries sensitising people about the importance of environment. CMS Environment and the Department of Life Long Learning Centre for Mass Communication (University of Rajasthan) are organisers of the event that will take place at 16 venues across the city.

The theme of the fest is "Biodiversity Conservation" and will screen the best of biodiversity films in addition to a host of other activities like a media roundtable, green film making workshop, panel discussion on challenges to biodiversity from climate change, open forum, and a quiz.

Villages, army campus, police academy, university, colleges, schools, central jail, forest training institute are some of the venues where the films will be screened. "This is a people's festival on biodiversity to enhance understanding, appreciation and shift in attitudes on the natural world and its conservation through films and biodiversity forums" said Alka Tomar, festival director.

Chief minister Ashok Gehlot inaugurate the ceremony to be held at Rangayan, Jawahar Kala Kendra. Activities like felicitation of green ambassadors and a dance drama on Save the Environment by Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya students will also form part of the festival. TNN

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
5.	डेली न्यूज	Sep 02, 2012	02

फिल्म फेस्टिवल कल से

जयपुर। पिंकसिटी का पहला बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल सोमवार से शुरू होगा। फेस्टिवल में बायोडायवर्सिटी फिल्मों का प्रदर्शन होगा, साथ ही मीडिया राउंड टेबल, फिल्म मेकिंग वर्कशॉप और जलवायु परिवर्तन पर चर्चा होगी। वन संरक्षण व उसके उपाय पर चर्चा के लिए झालाना स्थित फॉरेस्ट में इको टूर भी आयोजित होगा। फेस्टिवल डायरेक्टर अलका तोमर ने कहा कि फिल्म और चर्चा के जरिए प्रकृति और इसके संरक्षण के प्रति प्रवृत्तियों को मोड़ने में सहायक होगा।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
6.	दैनिक नवज्योति	Sep 03, 2012	08

बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल व फोरम का उद्घाटन आज

जयपुर, 2 सितम्बर। सीएमएस वातवरण और राजस्थान विश्वविद्यालय के जनसंचार केंद्र व डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लोंग लर्निंग के संयुक्त तत्वावधान में पहली बार जयपुर में एक जैवविविधता फिल्म समारोह एवं मंच का आयोजन सोमवार को रंगायन सभागार में शाम 5 बजे होगा। इस समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे। तरुण भारत संघ के राजेन्द्र सिंह समारोह में विशिष्ट अतिथि होंगे। समारोह में राजस्थान से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

आठ सितम्बर तक चलने वाले इस समारोह में बायोडायवर्सिटी पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन के साथ ही कई तरह के कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में मीडिया राउण्ड टेबुल, फिल्म निर्माण कार्यशाला, जलवायु परिवर्तन की वजह से जैवविविधता को मिल रही चुनौतियों पर परिचर्चा, ओपन फोरम, इको-टूर यानी वन संरक्षण व उसके उपाय और जैवविविधता विषय पर सवाल-जवाब आदि शामिल होंगे।

JAIPUR CMS vatavaran Biodiversity Film Festival and Forum 2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
7.	दैनिक भास्कर	Sep 03, 2012	16

बायो-डायवर्सिटी कंजर्वेशन पर हो पॉलिसी

सोमवार से शुरू होगा पहला जयपुर बायो डायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और फोरम 2012, एक्सपर्ट्स करेंगे क्लाइमेट बदलाव की बातें

सिटी रिपोर्टर. राजस्थान में बायो डाइवर्सिटी कंजर्वेशन पर कई रिसर्च हुए। डॉक्यूमेंट्री बनी, समस्याओं को परदे से दिखाया गया। सरकार को सुझाव भी दिया गया कि किस तरह नेचर को बचाया जा सकता है। बावजूद इसके प्रदेश में लगातार फारेस्ट लैंड की कमी हो रही है। कुछ ऐसे ही विषयों को लेकर जयपुर में सोमवार से 6 दिवसीय पहला बायो डाइवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और 'फोरम-2012' आयोजित किया जाएगा। इसमें बायो डाइवर्सिटी को बचाने के लिए देश-दुनिया की 50 शॉर्ट फिल्मों की स्क्रीनिंग शहर के 16 स्थानों पर की जाएगी। जेकेके के रंगायन सभागार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शाम 5 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। सिटी रिपोर्टर ने फेस्टिवल में स्क्रीनिंग होने वाली राजस्थान बेस फिल्मों के इश्यूज और समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी जुटाई।

जयपुर से फिल्म मेकर नहीं- बावजूद बायो डाइवर्सिटी जैसे अहम विषय पर एक भी फिल्म नहीं बनी। पर्यावरणविद हर्षवर्धन कहते हैं कि फिल्म के सर्वेक्षण जरूरी है, खर्चा बहुत होता है। सरकार मदद करे तो क्यों नहीं बन सकती। फेस्ट स्टेट में कंजर्वेशन में हेल्प करेगा।

फिल्म | लैंड ऑफ विंडोज
इश्यू | इल्लीगल माइनिंग बिजनेस
अवधि | 21 मिनट
भाषा | अंग्रेजी और राजस्थानी
निर्देशक | आरती श्रीवास्तव
रिसर्च | दैनिक भास्कर के रिपोर्टर रणजीत चरण की माइनिंग प्रकाशित न्यूज
बने पॉलिसी | लीगल वर्क प्रोसेस, माइनर्स को मेडिकल, पे-रोल, पेंशन और इंश्योरेंस सुविधा।
अभी तक एग्जीबिट | यूएसए, जर्मनी, स्पेन, कतार, फिलीपीन्स, इंडिया

फिल्म | सर्चिंग वाटर
इश्यू | गिरता जल स्तर
अवधि | 2:35 मिनट
भाषा | हिंदी
निर्देशक | रोमेश चतुर्वेदी
रिसर्च | मीडिया और पर्सनल विजिट
पॉलिसी | गवर्नमेंट अपने एक्शन को
रिएक्शन में बदले | सोसायटी में कानूनी कार्रवाई हो।
अभी तक एग्जीबिट | सीएमएस वातावरण फेस्ट

फिल्म | पब्लिक सर्विस अनाउसमेंट ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ द कॉमन्स
इश्यू | नेचर का निजीकरण, कॉमनमैन की पीड़ा, क्लाइमेट में बदलाव
अवधि | 6:57 मिनट
13 बैकग्राउंड म्यूजिक, अंग्रेजी सबटाइटल
निर्देशक | अमर कंवर
रिसर्च | नेचुरल रिसोर्स स्टडी, 25 वर्षों तक काम
पॉलिसी | ड्रॉफ्ट हो गई है, कैबिनेट तक अब जानी है। पंचायत स्तर पर काम हो।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
8.	मार्निंग न्यूज	Sep 03, 2012	06

बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल आज से

फोरम का भी आयोजन

जयपुर, 2 सितम्बर (मोन्यू)। सीएमएस वातावरण और राजस्थान विश्वविद्यालय के जनसंचार केंद्र व डिपार्टमेंट ऑफ लॉंग लर्निंग मिलकर संयुक्त रूप से पहली बार जयपुर में एक जैवविविधता फिल्म समारोह एवं मंच (बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल एंड फोरम) का आयोजन जयपुर में होगा। छह दिन तक चलने वाले इस समारोह का उद्घाटन 3 सितम्बर की शाम को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे।

समारोह में तरुण भारत संघ के राजेन्द्र सिंह विशेष अतिथि होंगे। इसके दौरान राजस्थान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इस फिल्म फेस्टिवल और फोरम में राजस्थान के बायोडायवर्सिटी पर आधारित फिल्मों के प्रदर्शन के साथ ही कई तरह के कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में मीडिया राईड टेबुल, फिल्म निर्माण कार्यशाला, जलवायु परिवर्तन की वजह से जैवविविधता को मिल रही चुनौतियों पर परिचर्चा, ओपन फोरम, इको-टूर यानी वन संरक्षण व उसके उपाय और जैवविविधता विषय पर सवाल-जवाब आदि शामिल हैं।

इन कार्यक्रमों को गांवों, सैन्य परिसर, पुलिस अकादमी, विवि, कॉलेज, स्कूलों, केंद्रीय कारागार, वन प्रशिक्षण संस्थान आदि जगहों पर आयोजित किया जाएगा। जयपुर सीएमएस वातावरण जैवविविधता पर समझदारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए आम लोगों का एक समारोह है जो फिल्म और विविध मंचों के माध्यम से प्रकृति और इसके संरक्षण के प्रति प्रवृत्तियों को मोड़ने में सहायक होगा।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
9.	पंजाब केसरी	Sep 03, 2012	05

बायोवर्सिटी फिल्म फेस्टीवल आज से

जयपुर, (कासं): सेंटर फॉर मॉस कम्युनिकेशन एवं लाइफ लॉन्ग विभाग की ओर से सोमवार को शाम 5 बजे जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में बायोवर्सिटी फिल्म फेस्टीवल का आयोजन किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत होंगे।3 सितम्बर से 8 सितम्बर तक चलने वाले फिल्म समारोह के तहत थियेट्रीकल प्रजेंटेशन ऑन बॉयोवर्सिटी पर चर्चा होगी। इस मौके पर वाइल्ड एडवेंचर पर आधारित फिल्म रोलिंग ड्यून्स फॉर थार की स्क्रीनिंग की जाएगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वन एवं पर्यावरण विभाग के एडीशनल चीफ सैक्रेट्री वी.एस.सिंह, राजविवि के मॉस कम्युनिकेशन विभाग के हेड प्रो. संजीव भाणावत होंगे। 4 सितम्बर को ग्रीन फिल्म स्क्रीनिंग में करीब 50 अवॉर्ड विनिंग फिल्मों को प्रस्तुत किया जाएगा। यह 16 स्थानों पर प्रदर्शित की जाएगी। वहीं, दोपहर 2:30 बजे से 4 बजे तक राजविवि के सेंटर फॉर मॉस कम्युनिकेशन के कॉन्फ्रेंस हॉल में फ्यूचर फॉर एनवारमेंट जर्नलिज्म-द वे फॉरवर्ड पर चर्चा की जाएगी। सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक एकोटयूर-हेलिंग द फोरेस्ट पर झालाना फोरेस्ट परिसर में चर्चा होगी। समारोह के तहत 6, 8, 7 सितम्बर को ग्रीन फिल्म मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक सेंटर फॉर मॉस कम्युनिकेशन पर होगा।7 सितम्बर को दोपहर 3 बजे से 4:30 बजे मॉस कम्युनिकेशन के कांफ्रेस हॉल में पेनल डिस्कशन ऑन चैलेंज टू बायोवर्सिटी फ्राम क्लाइमेट चेंज पर चर्चा की जाएगी।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
10.	सांध्य लोकदशा	Sep 04, 2012	01

पर्यावरण संरक्षण में राजस्थान ने की काफी प्रगति : गहलोत

बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन

लोकदशा डेस्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य में काफी काम किए गए हैं। इस संबंध में ईको ट्यूरिज्म पॉलिसी, वन नीति एवं पर्यावरण नीति बनाई गई है। गहलोत ने सोमवार शाम यहां जवाहर कला केंद्र में सीएमस वातावरण संस्था की ओर से आयोजित बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन करने के बाद पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित सेमिनार में यह बात कही।

गहलोत ने कहा कि जैव विविधता में डिस्कवरी जैसे पर्यावरण से जुड़े टीवी चैनलों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए इसे इनिशिएटिव के रूप में लिया था। गहलोत ने कहा कि आयुर्वेदिक-यूनानी एवं एलोपैथिक दवाओं में कई जड़ी-बूटी काम आती हैं। इनमें लगभग दो सौ दवाएं ऐसी हैं जो रिसर्च मेडिसिन बनी हुई हैं। ये जड़ी-बूटियां पेड़-पौधों से ही प्राप्त होती हैं।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संजूदेवी, लक्ष्मण सिंह सहित तीन लोगों को गहलोत ने संस्था की ओर से ग्रीन अवार्ड प्रदान किए। इस मौके पर पानी वाले बाबा के नाम से चर्चित राजेंद्रसिंह, वन विभाग के एसीएस वी.एस.सिंह भी मौजूद थे।

गंभीर बीमारों का पहले होगा इलाज, फिर औपचारिकताएं : गंभीर रूप से बीमार लोगों को अब राजकीय अस्पतालों में औपचारिकताएं पूरी किए बगैर पहले तत्काल इलाज मुहैया कराया जाएगा। इस संबंध में राज्य सरकार ने आदेश जारी कर दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की उपसचिव अल्पा चौधरी की ओर से जारी आदेश के अनुसार किसी भी आयु के गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को राजकीय चिकित्सा संस्थान में आने अथवा भर्ती होने के लिए आने पर उनकी पर्ची बनाने में समय बर्बाद नहीं किया जाएगा। ऐसे गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति का प्राथमिकता के आधार पर चिकित्सक की ओर से पहले इलाज किया जाएगा और भर्ती के लिए पहले होने वाली औपचारिकताएं (पर्ची या टिकट बनाने की) इलाज शुरू होने के बाद पूरी की जाएंगी। उपसचिव के अनुसार राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के प्रकरण संख्या 2011/23/ 2758 के आदेश 13 मार्च 2012 की अनुपालना में इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
11.	DNA	Sep 04, 2012	03

Screening nature

The six-day long film festival commenced with a dance performance and award ceremony

AFTER HRS CORRESPONDENT
afterhoursjpr@dnaindia.net

With an aim to spread awareness about the depleting nature CMS Vatavaran, Biodiversity Film Festival and Forum kick started in the city on Monday with CM Ashok Gehlot inaugurating it.

The festival began with a dance drama on environment and biodiversity by the students of Kanoria Girls College. It depicted the interdependence and coexistence of nature, mankind and animals.

The highlight of the program included the felicitation of the green ambassadors from Rajasthan for their remarkable contribution in the field of conservation.

The programme has been organised by CMS Environment in collaboration with centre for mass communication and department of lifelong learning, University of Rajasthan.

As a part of the festival which will continue till September 8, different award winning films on environment and wildlife will be screened at various institutions apart from holding panel discussions and media roundtable.

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
12.	डेली न्यूज	Sep 04, 2012	06

राजस्थान जैव विविधता से समृद्ध : गहलोत

डेली न्यूज ब्यूरो

जयपुर ▷ 3 सितंबर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कहना है कि राजस्थान जैव विविधता की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है। यहां पेड़-पौधों की 46 हजार और जीव-जंतुओं की 91 प्रजातियां मौजूद है।

सीएमएस एनवायरमेंट संगठन की ओर से केंद्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय और कई अन्य संगठनों के सहयोग से आयोजित जयपुर सीएमएस वातावरण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण व जैव विविधता के क्षेत्र में स्थानीय निकायों की बड़ी भूमिका हो सकती है।

JAIPUR CMS vatavaran 2012 TRAVELLING
Biodiversity Film Festival and Forum

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
13.	राष्ट्रदूत	**Sep 04, 2012**	**01**

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जेकेके में 'जयपुर सीएमएस वातावरण बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टीवल 2012' के उद्घाटन पर ग्रीन एम्बेसेडर पुरस्कार प्रदान किये। फोटो/राष्ट्रदूत

पर्यावरण संरक्षण से जुडे कानूनों की सही पालना हो सुनिश्चित :मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कानून तो बने हैं लेकिन उनकी सही मायने में पालना सुनिश्चित हो इसके लिए सभी नागरिकों को आगे आकर सरकार का सहयोग करना चाहिये।

गहलोत सोमवार को यहां जवाहर कला केन्द्र के रंगायन में 'जयपुर सीएमएस वातावरण बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टीवल 2012' के उद्घाटन कार्यक्रम पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। यह फेस्टीवल 8 सितम्बर तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विद्यालयी शिक्षा के पाठ्यक्रमों में जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण को समुचित जगह दी जानी चाहिये ताकि बचपन में ही छात्रों को इसकी जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों एवं आमजन में वन्य जीवों एवं पर्यावरण को बचाने के प्रति जागरूकता पैदा करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी विश्व की उन नेताओं में से है जिन्होंने पर्यावरण संतुलन के प्रति दुनिया में एक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इससे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू प्रकृति प्रेमी थे तथा स्व. राजीव गांधी की पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच थी। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान पर्यावरण मिशन के सहयोग से प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए कई फैसले लिए हैं। उन्होंने कहा कि हरित राजस्थान अभियान भी पर्यावरण संरक्षण एवं विकास की दिशा में किये गये राज्य सरकार के प्रयासों का एक अहम हिस्सा था जिससे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक जागरूकता पैदा हुई है। मुख्यमंत्री ने जैव विविधता पर फिल्म फेस्टीवल आयोजित करने के लिए सी.एम.एस. एनवायरनमेंट संस्था की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों एवं पर्यावरण संरक्षण पर बनी फिल्में दिखाने से बच्चों एवं युवा वर्ग में पर्यावरण को संरक्षित करने के प्रति जागरूकता पैदा होगी।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
14.	समाचार जगत	Sep 04, 2012	11

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को जवाहर कला केन्द्र के रंगायन में 'जयपुर सीएमएस वातावरण बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टीवल 2012' समारोह में ग्रीन एम्बेसेडर' पुरस्कार प्रदान करते हुए।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई : गहलोत

जयपुर सीएमएस वातावरण बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टीवल 2012'

जयपुर, (कासं.)।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कानून तो बने हैं लेकिन उनकी सही मायनों में पालना सुनिश्चित हो इसके लिए सभी नागरिकों को आगे आकर सरकारों का सहयोग करना चाहिए। गहलोत सोमवार को यहां जवाहर कला केन्द्र के रंगायन में 'जयपुर सीएमएस वातावरण बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टीवल 2012' के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। यह फेस्टीवल 8 सितम्बर तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विद्यालयी शिक्षा के पाठ्यक्रमों में जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण को समुचित जगह दी जानी चाहिए ताकि बचपन में ही छात्रों को इसकी जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों एवं आमजन में वन्य जीवों एवं पर्यावरण को बचाने के प्रति जागरूकता पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी विश्व की उन नेताओं में हैं जिन्होंने पर्यावरण संतुलन के प्रति दुनिया में एक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू प्रकृति प्रेमी थे तथा स्व. राजीव गांधी की पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच थी। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान पर्यावरण मिशन के सहयोग से प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए कई फैसले लिए हैं। उन्होंने कहा कि हरित राजस्थान अभियान भी पर्यावरण संरक्षण एवं विकास की दिशा में किये गए राज्य सरकार के प्रयासों का एक अहम हिस्सा था जिससे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक जागरूकता पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दशक घोषित किया है जिसे आगे बढ़ाने की दिशा में हम सभी को प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जैव विविधता पर फिल्म फेस्टीवल आयोजित करने के लिए सी.एम.एस. एनवायरनमेन्ट संस्था की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों एवं पर्यावरण संरक्षण पर बनी फिल्में दिखाने से बच्चों एवं युवा वर्ग में पर्यावरण ➤शेष पृष्ठ दस पर

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
15.	डेली न्यूज	Sep 04, 2012	16

शुरू हुआ बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल, पहले दिन दिखाई गई 'द रोलिंग ड्यून्स ऑफ थार'

इंसानी हाथों में गोड़ावन का भविष्य

जयपुर। विलुप्ति की कगार पर पहुंचा राजस्थान का राज्य पक्षी गोड़ावन का भविष्य अब इंसानी हाथों में है। संख्या में महज पांच सौ तक सिमट चुके गोड़ावन को बचाने के लिए एक विशेष प्रोजेक्ट की जरूरत है। यह चिंताएं सामने आईं सोमवार से जेकेके में शुरू हुए बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल में। फेस्टिवल के पहले दिन बेरी ब्रदर्स द्वारा बनाई गई 'द रोलिंग ड्यून्स ऑफ थार' की स्क्रीनिंग की गई। फेस्टिवल का उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया।

फिल्म के माध्यम से दिखाया गया कि थार के रेगिस्तान में हरे घासों के बीच अपना जीवन ढूंढने वाले बेहद सुंदर पक्षी गोड़ावन का भविष्य खतरे में है। पालतू जानवरों की बेहिसाब वृद्धि और इंसानी दखलंदाजी ने गोड़ावन के लिए चिंता की लकीरें खींच दी है। फिल्म के जरिए 700 किस्म के पेड़-पौधे, 141 प्रजातियों के पक्षी व 51 प्रकार के जीव-जंतु से बनने वाली थार के रेगिस्तान की बायोडायवर्सिटी का महत्व भी दिखाया गया। सीएमएस और राजस्थान यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित इस फेस्टिवल में शहर के विभिन्न इलाकों में बायोडायवर्सिटी से जुड़ी फिल्म दिखाई जाएगी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण में हो पहल : सीएम

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अच्छे मानसून से राजस्थान की बायोडायवर्सिटी को फायदा होगा। सरकार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगातार काम कर रही है लेकिन इस तरफ आम लोगों की जागरूकता और भागीदारी की सबसे ज्यादा जरूरत है। इस मौके पर वन एवं पर्यावरण सचिव वी.एस. सिंह और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह भी मौजूद थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ, जिसमें बच्चों ने प्रकृति के विभिन्न रूप धारण कर संदेश दिया। फेस्टिवल के दूसरे दिन रीशेपिंग द फ्यूचर ऑफ इनवायरमेंटल जर्नलिज्म : इश्यू, चैलेंजेस एंड वे फॉरवर्ड विषय पर तो भारतीय विद्या भवन में तीन स्लॉट में 10 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
16.	दैनिक लोकदशा	Sep 04, 2012	01

पर्यावरण संरक्षण में राजस्थान ने की काफी प्रगति : गहलोत

बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन

लोकदशा डेस्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य में काफी काम किए गए हैं। इस संबंध में ईको ट्यूरिज्म पॉलिसी, वन नीति एवं पर्यावरण नीति बनाई गई है। गहलोत ने सोमवार शाम यहां जवाहर कला केंद्र में सीएमस वातावरण संस्था की ओर से आयोजित बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन करने के बाद पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित सेमिनार में यह बात कही।

गहलोत ने कहा कि जैव विविधता में डिस्कवरी जैसे पर्यावरण से जुड़े टीवी चैनलों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए इसे इनिशिएटिव के रूप में लिया था। गहलोत ने कहा कि आयुर्वेदिक-यूनानी एवं एलोपैथिक दवाओं में कई जड़ी-बूटी काम आती हैं। इनमें लगभग दो सौ दवाएं ऐसी हैं जो रिसर्च मेडिसिन बनी हुई हैं। ये जड़ी-बूटियां पेड़-पौधों से ही प्राप्त होती हैं।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संजूदेवी, लक्ष्मण सिंह सहित तीन लोगों को गहलोत ने संस्था की ओर से ग्रीन अवार्ड प्रदान किए। इस मौके पर पानी वाले बाबा के नाम से चर्चित राजेंद्रसिंह, वन विभाग के एसीएस वी.एस.सिंह भी मौजूद थे।

गंभीर बीमारों का पहले होगा इलाज, फिर औपचारिकताएं : गंभीर रूप से बीमार लोगों को अब राजकीय अस्पतालों में औपचारिकताएं पूरी किए बगैर पहले तत्काल इलाज मुहैया कराया जाएगा। इस संबंध में राज्य सरकार ने आदेश जारी कर दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की उपसचिव अल्पा चौधरी की ओर से जारी आदेश के अनुसार किसी भी आयु के गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को राजकीय चिकित्सा संस्थान में आने अथवा भर्ती होने के लिए आने पर उनकी पर्ची बनाने में समय बर्बाद नहीं किया जाएगा। ऐसे गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति का प्राथमिकता के आधार पर चिकित्सक की ओर से पहले इलाज किया जाएगा और भर्ती के लिए पहले होने वाली औपचारिकताएं (पर्ची या टिकट बनाने की) इलाज शुरू होने के बाद पूरी की जाएंगी। उपसचिव के अनुसार राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के प्रकरण संख्या 2011/23/ 2758 के आदेश 13 मार्च 2012 की अनुपालना में इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं।

JAIPUR CMS vatavaran 2012 TRAVELLING
Biodiversity Film Festival and Forum

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
17.	दैनिक भास्कर	Sep 04, 2012	18

जयपुर का पहला बॉयोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल शुरू, 8 सितंबर तक होगी वर्कशॉप और फिल्मों की स्क्रीनिंग

अब पहल बॉयोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की

फिल्म फेस्टिवल

सिटी रिपोर्टर. पवन की पुरवाई, हिलोर खाते पेड़-पौधे, पक्षियों की चहक, धरती मां की दमकती आभा और नृत्यांगना के चेहरे से झलकती खुशी। लगा जैसे धरती खुशी के गीत गा रही हो। मोर, भालू, बंदर, शेर और पक्षी भी झूमने लगे। तभी हाथों में कुल्हाड़े-आरी लिए लोगों ने बारी-बारी से पेड़ों को काटकर खुशियों को दुख में बदल दिया। धरती का श्वास का अधिकार छिन गया। लोग पीठ पर ऑक्सीजन लाद कर काम-काज करने लगे। तभी एक लड़की ने नया पौधा रोपने का प्रयास कर सांसें लौटने की पहल की। तब फिर से पौधे धरा पर छाने लगे और संदेश देने लगे कि हमें बचाओ नहीं तो मर जाओगे। ये दृश्य था, जेकेके में हुए जयपुर के पहले बॉयोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और फोरम 2012 के उद्घाटन समारोह का। कानोड़िया कॉलेज की छात्राओं ने 'वृक्ष विधाता, जीवन दाता' का संदेश दिया।

मंच पर सीएमएस वातावरण के चेयरमैन भास्कर राव, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, एडि. चीफ सेक्रेट्री वन एवं पर्यावरण वीएस सिंह, संजीव भटनागर, समीक्षित दर्शन वॉटर मैन राजेंद्र सिंह। वातावरण ने ग्रीन एम्बेसडर अवॉर्ड से संजू देवी, लक्ष्मण सिंह, गोपाल सिंह को नवाजा गया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने समारोह के उद्घाटन के बाद कहा कि कई चैनल सेव नेचर पर प्रोग्रामिंग करते हैं, पर ये फेस्ट और अवॉर्ड नया प्रोत्साहन देगा। सरकार सिर्फ कानून बना सकती है, पालन लोगों को करना होगा। बॉयोडायवर्सिटी को शिक्षा में शामिल करना होगा। समारोह सीएमएस वातावरण संस्था व राज. यूनिवर्सिटी के जनसंचार केंद्र और लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग की ओर से आयोजित किया गया।

बचाना होगा गोडावण : पहले दिन बेदी ब्रदर्स की फिल्म 'रोलिंग ड्यून्स ऑफ थार' ने राज्य पक्षी गोडावण को बचाने का संदेश दिया। फिल्म में कैमरे के एंगल, ज़ूम, शॉट का सलेक्शन शानदार रहा। गोडावण के बारे में जानकारी मिली। ये पक्षी एक बार में एक अंडा देता है, जिसमें से 45 दिन बाद बच्चा जन्म लेता है। बॉम्बे नेचर हिस्ट्री सोसायटी के डॉ. असद रहमानी भी फिल्म में सेव टाइगर, एलिफेंट के बाद गोडावण प्रोजेक्ट बनाने की पहल करते हैं। पर्दे से कहा कि विश्व में 500 से भी कम पक्षी हैं। फिल्म अंत में कहती है कि मानव जाति पर कलंक होगा कि हम गोडावण को बचा नहीं सके।

पढ़ाई कम, बची बॉयोडायवर्सिटी : वाटरमैन राजेन्द्र सिंह ने कहा कि जहां पढ़े-लिखे लोग हैं वहीं प्रदूषण बढ़ा है। हमने पढ़ाई से ज्यादा प्रदूषण बढ़ाया है। राजस्थान में शिक्षा का स्तर कम है, इसलिए बॉयोडायवर्सिटी बची है। शैक्षणिक दायरे में बॉयोडायवर्सिटी को लाना होगा। अभी की स्थिति विकृति और विनाश की ओर ले जा रही है।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
18.	डेली न्यूज	**Sep 04, 2012**	**01**

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
19.	राजस्थान पत्रिका	Sep 04, 2012	01

'वृक्ष विधाता जीवन दाता' से की फरियाद

छह दिवसीय बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल

Just रिपोर्टर
justreporter.jaipur@patrika.com

जयपुर. हरे-भरे पेड़ लहलहा रहे हैं, मोर नाच रहे हैं। पृथ्वी भी हरे-भरे पेड़ों से आच्छादित है। हर तरफ खुशी का माहौल है। मगर कुछ स्वार्थी लोग पेड़ कटते गए, धरा ने अपनी हरितिमा खो दी। ऐसे में फिर से पौधे लगाए गए। वनों को बचाने के लिए नृत्य नाटिका का मंचन कुछ इस तरह से किया। मौका था जेकेके के रंगायन सभागार में सोमवार से शुरू हुए सीएमएस वातावरण बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल का। आरयू के जनसंचार केंद्र और लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग के सहयोग से आयोजित छह दिवसीय फेस्टिवल में पहले दिन कानोडिया कॉलेज की छात्राओं ने 'वृक्ष विधाता जीवन दाता' शीर्षक पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। फेस्टिवल का उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया। इस मौके पर वन एवं पर्यावरण विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी वी.एस. सिंह और तरुण भारत संघ के चेयरमैन राजेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र के दौरान तरुण भारत संघ के चेयरमैन राजेन्द्र सिंह ने कहा दिन प्रतिदिन लोगों के शिक्षित होने के बावजूद भी प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। राजस्थान जैव विविधता में देश के दूसरे राज्यों से आगे है। उन्होंने बताया कि हमें शिक्षण के दायरे को बदलना होगा, जिससे संरक्षण और विकास दोनों साथ-साथ चल सके। कार्यक्रम में पर्यावरण के संरक्षण पर अपना योगदान देने वाले संजू देवी, लक्ष्मण सिंह, गोपाल सिंह राजावत को राजस्थान ग्रीन अम्बेसेडर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

द ट्विन्स ऑफ थार

कार्यक्रम के बीस मिनट की फिल्म दिखाई गई। इसमें गोडावण के बारे में बताया गया। वाइल्ड लाइफ फिल्म मेकर नरेश बेदी निर्देशित इस फिल्म में पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर स्थित थार रेगिस्तान के रोमांच को दर्शाया गया। इसमें गोडावण को बचाने का संदेश दिया गया।

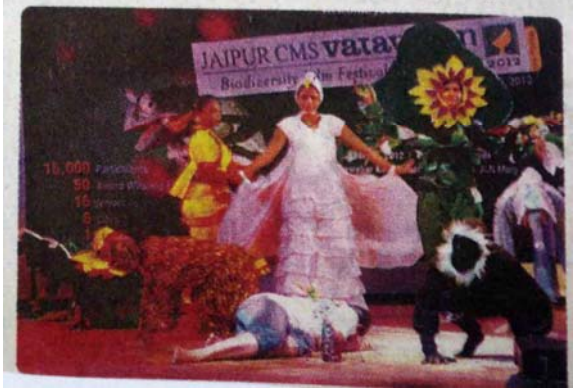

JAIPUR CMS vatavaran 2012 TRAVELLING
Biodiversity Film Festival and Forum

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
20.	दैनिक भास्कर	**Sep 04, 2012**	**17**

‘वातावरण’ में वृक्ष विधाता, जीवनदाता

जयपुर में पहला बॉयो-डायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और फोरम 2012 का उद्घाटन सोमवार को जेकेके में हुआ। इस मौके पर स्टूडेंट्स ने वृक्ष बचाने के संदेश पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। इसमें 8 सितंबर तक 50 शॉर्ट फिल्में दिखाई जाएंगी। *(खबर पेज 18 पर)* फोटो : अनिल शर्मा

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
21.	Hindustan Times	Sep 04, 2012	02

INSTIL LOVE FOR ENVIRONMENT IN KIDS, SAYS CM

HT Correspondent
htraj@hindustantimes.com

JAIPUR: Chief minister Ashok Gehlot on Monday said awareness about the importance of environment should be inculcated in the children early.

The government has made environment protection and forest acts, but the responsibility of its execution lies with everyone, Gehlot said.

He was addressing a seminar on environment organised by CMC environment at University of Rajasthan.

Gehlot said there are varieties of herbs on which researches are being conducted. The World Health Organisation has listed 240 medicines, which are prepared with herbs, he added.

"People across the world understand the importance of herbs, which is known to us since ages and is mentioned in our epics too," he added.

"We have around 46,000 flora and 91,000 fauna varieties. Everybody has to take an initiative and create awareness among the masses," he said.

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
22.	दैनिक भास्कर	Sep 05, 2012	24

विज्ञापन में हो विज्ञान शामिल

बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और फोरम में हुए मीडिया राउंड टेबल सेमिनार में विशेषज्ञों ने रखे विचार

फिल्म फेस्टिवल

सिटी रिपोर्टर. जयपुर

पं. जवाहर लाल नेहरू की किताब 'भारत एक खोज' का अर्थ वर्तमान में बदल गया। इसे अब कहेंगे 'भारत एक खोद'। व्यवसायियों ने इतना खोद दिया है कि अब भराव मुश्किल है। इसी कारण भारत में आंध्रप्रदेश में सबसे कम फॉरेस्ट पार्ट रहा है। लोग गमले, पेड़-पौधे लगाकर घरों को जरूर जंगल बना रहे हैं, पर वास्तविक जंगलों को काटकर बिजनेस शुरू कर रहे हैं। मीडिया उनके खिलाफ लिख भी नहीं सकता। वे विज्ञापन जो देते हैं। मीडिया में आज विज्ञान का नहीं विज्ञापन का समय है। फिर भी हमें कोशिश करनी होगी कि 'कैसे विज्ञापनों के बीच में विज्ञान को शामिल किया जाए।' यह कहना है बीबीसी जयपुर के जर्नलिस्ट नारायण बारेठ का। उन्होंने मंगलवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी के दूर संचार विभाग में जयपुर बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और फोरम 2012 के सेमिनार 'एन्वायरमेंटल जर्नलिज्म का फ्यूचर, इश्यूज, चैलेंजेज' में विचार रखे। कहा, वल्चर जरूर कम हुए हैं, पर उनका रूप अब एमएलए और एमपी ने ले लिया है।

मीडिया राउंड टेबल सेमिनार में उपस्थित जर्नलिस्ट, एन्वायरनमेंट एक्सपर्ट्स और स्टूडेंट्स।

एन्वायरनमेंट को बनाएं हैड लाइन

एनडीटीवी राजस्थान के एडिटर राजन महान ने कहा कि ग्रीन पाइंट से लिंक टूटता जा रहा है। इसके लिए न्यूज में साइंटिफिक नॉलेज देनी चाहिए। राजनीति, आतंकवाद, खेल, सेलिब्रिटी के बीच एन्वायरनमेंट को हैड लाइन बनाना होगा। इकोनॉमी फैक्टर की कमी है यहां, फिर भी हमें नए कॉन्सेप्ट खोजने होंगे। सेलिब्रिटी को न्यूज से जोड़ना होगा। मीडिया टीआरपी और एड के बीच जिंदगी में रोशनी पर भी सोचना होगा। थिंक ग्लोबली, एक्ट ग्लोबली। राजस्थान बायोडायवर्सिटी बोर्ड के चेयरमेन एस.एस. चौधरी ने जो बचा है उसे बचाने और निकाय स्तर पर ग्रुप गठन के बारे में कहा। पर्यावरणविद हर्षवर्धन ने कहा, एन्वायरनमेंट प्रोजेक्ट पर करोड़ों रुपयों के हिसाब पर न्यूज क्यों नहीं लिखी जाती। प्रेस की 1978 से अभी तक की भूमिका पर प्रजेंटेशन दिया। साथ ही न्यूज के साइंटिफिक प्रूफ पर जोर दिया।

मीडिया से ज्यादा समाज

दैनिक भास्कर के फीचर एडिटर विनोद भारद्वाज ने मीडिया से ज्यादा समाज की भूमिका पर विचार रखे। कहा, आदिवासी व रूरल ही प्रकृति का रक्षक है। घर से बायोडायवर्सिटी को बचाने की शुरुआत करें। प्रो.संजीव भानावत ने कहा कि प्रकृति को मां की गोद मानकर खेलो, जितनी आवश्यकता है उतना ही लो, लालच मत करो। प्रथम राजस्थान एनजीओ के के.बी. कोठारी ने कहा कि बायोडायवर्सिटी को चित्रों के जरिए नॉलेज वाली पुस्तकों का मीडियम बढ़ाना होगा। स्कूल लेवल पर लाइब्रेरी शुरू करनी चाहिए। पत्रकार सुकुमार वर्मा ने जलस्रोतों को साफ रखने के लिए सरकार और मीडिया को मिलकर काम करने को कहा।

दिखाई फिल्में, की झालाना विजिट

दो स्थानों पर 14 फिल्में दिखाई गईं। इसके साथ ही बायोडायवर्सिटी को समझने के लिए झालाना वन में इको टूर-हीलिंग द फॉरेस्ट विजिट हुई।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
23.	राजस्थान पत्रिका	Sep 05, 2012	

[फिल्म फेस्टिवल] पर्यावरण संरक्षण पर हुई राउंडटेबल चर्चा

समझें एन्वायर्नमेंट की अहमियत

Just रिपोर्टर
justreporter.jaipur@patrika.com

जयपुर. वन्य जीवों और पर्यावरण के संरक्षण के लिए 'बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल एंड फोरम' के दूसरे दिन मंगलवार को प्रतापनगर स्थित भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम और डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग में बायोडायवर्सिटी से जुड़ी फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। जयपुर सीएमएस वातावरण, आरयू के जनसंचार केन्द्र और डीएलएल की ओर से आयोजित इस फेस्टिवल में 'रिशेपिंग द फ्यूचर ऑफ एन्वायर्नमेंटल जर्नलिज्मः इश्यूज, चैलेंजेज और वे फॉरवर्ड' विषय पर मीडिया राउंडटेबल भी हुआ। इसमें राजस्थान बायोडायवर्सिटी बोर्ड के चेयरमैन डॉ. एस. एस. चौधरी, सीएमएस के चेयरमैन डॉ. एन. भास्कर राव, एंवायर्नमेंटल वॉलेंटियर हर्षवर्धन, राजस्थान पत्रिका के डिप्टी एडिटर सुकुमार वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार राजन महान, नारायण बारेठ, विनोद भारद्वाज और संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व निदेशक के. बी. कोठारी ने एन्वायर्नमेंट संरक्षण पर मीडिया की भूमिका पर विचार रखे।

डीएलएल में क्लाइमेट चेंज पर म्यूजिकल वीडियो 'पाएंगे ऐसा एक जहां' के साथ 'एमंगस्ट टाइगर्स एंड एलिफेंट', 'राजाजी- ए फॉरेस्ट बाय द गैंग्स' जैसी फिल्में दिखाई गई। भारतीय विद्या भवन में फिल्म दिखाने के साथ-साथ प्रश्नोतरी कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें स्टूडेंट्स ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। साथ ही डॉ. एन. भास्कर राव ने स्टूडेंट्स को अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया।

वन्यजीवों की लाइफ

एमजेएमसी फाइनल इंयर के स्टूडेंट विमलकुमार विजय ने बताया कि बेंदी ब्रदर्स की 'एमंगस्ट टाइगर्स एंड एलिफेंट' फिल्म में वन्यजीवों की लाइफ के बारे में बताया गया। वे किस तरह प्रजनन करते हैं। टाइगर्स की लगातार घटती संख्या के लिए हर व्यक्ति को इनिशिएटिव लेते हुए उनके संरक्षण के प्रयास करना चाहिए। वन्य जीव जैवविविधता के प्रमुख अंग हैं।

संरक्षण जरूरी है

एमजेएमसी प्रीवियस के स्टूडेंट मनीष शुक्ला ने बताया कि वन्य जीवों का संरक्षण बहुत जरूरी है, प्रकृति संतुलन के लिए इनका होना अनिवार्य है। फिल्मों की स्क्रीनिंग में जहां वन और वन्य जीवों से रूबरू होने का मौका मिला, वहीं मीडिया राउंडटेबल सेशन के दौरान पता चला कि इनके संरक्षण में मीडिया आम लोगों के साथ मिलकर कैसे इनिशिएटिव ले सकती है।

उठाना होगा कदम

एमजेएमसी फाइनल इंयर के स्टूडेंट मनीष कुमावत ने बताया कि आज हर कहीं चर्चा होती रहती है कि वन्य जीवों की कई प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। ऐसे में इस तरह की फिल्मों या कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी में अवेयरनेस लाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे वे जैवविविधता के लिए अपना योगदान दे सकें।

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
24.	राजस्थान पत्रिका	Sep 05, 2012	16

जैव विविधता की ली जानकारी

Just रिपोर्टर
justreporter.jaipur@patrika.com

जयपुर. राजस्थान विश्वविद्यालय के लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग, जन संचार केन्द्र और सीएमएस वातावरण के संयुक्त तत्वावधान में 'ईको टूर' का आयोजन किया गया। टूर को आरयू के कुलपति प्रो. बीएल शर्मा ने मंगलवार सुबह रवाना किया। उन्होंने स्टूडेंट्स के जैव-विविधता की जानकारी के लिए इस टूर की सराहना की। इसमें कई कॉलेजों के लगभग 60 विद्यार्थियों ने वन विभाग के विशेषज्ञों के साथ झालाना वन्य क्षेत्र का भ्रमण किया।

सहायक वन संरक्षक नरेश शर्मा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया और जंगल में जैवविविधता से सम्बन्धित चुनौतियों के प्रति जागरूक किया। जंगलों में हो रही कटाई के दुष्प्रभाव की जानकारी दी। इस बीच विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता भी हुई।

JAIPUR CMS vatavaran 2012 TRAVELLING
Biodiversity Film Festival and Forum

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
25.	डेली न्यूज	Sep 06, 2012	

एनवायरमेंट फ्रेंडली बनेंगे कैदी

जयपुर। सेंट्रल जेल के कई कैदियों ने जेल से छूटकर अपना बचा हुआ जीवन पर्यावरण के लिए समर्पित करने का फैसला किया है। सीएमएस वातावरण और आरयू के कुछ डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल के तहत बुधवार को सेंट्रल जेल के कैदियों को पर्यावरण से जुड़ी फिल्में दिखाई गईं। फिल्म देख इम्प्रेस हुए कुछ कैदियों ने तो जेल से बाहर निकलकर सारा जीवन पर्यावरण संरक्षण के लिए ही काम करने का फैसला किया है। फेस्टिवल के तीसरे दिन सेंट्रल जेल में सजा काट रहे कैदियों को लॉस्ट होम, आरोहण : ए न्यू बिगनिंग, पाएंगे ऐसा एक जहां, सेविंग ह्यूमन ऑफ वार और मास होम इज ग्रीन जैसी अवार्ड विनिंग फिल्में दिखाई गईं। इसके साथ ही फॉरेस्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट व प्रथम एनजीओ के जयपुर सेंटर में भी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

जेल से शुरुआत

आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैलाश चंद टेलर ने फिल्म देखकर कहा कि हम जेल में रहकर पेड़ लगाने के काम करते रहते हैं लेकिन फिल्म देखकर प्रेरणा मिली है कि पेड़ लगाने के साथ-साथ पानी बचाने की जिम्मेदारी भी निभाएंगे। इसकी शुरुआत जेल से करेंगे।

जल स्त्रोतों को जिंदा करूंगा

कैदी प्रकाश चंद मीणा भी पर्यावरण को लेकर सचेत हुए हैं। उन्होंने बताया कि मैं बचपन से पेड़ लगाने में रुचि लेता था। हमारे पानी के स्त्रोत खत्म हो रहे हैं। जेल से छूटकर अपना सारा जीवन पानी के पुराने स्त्रोतों को जिंदा करने के लिए लगाऊंगा। खासकर बावड़ी और तालाबों पर मैं काम करूंगा।

पक्षियों के लिए काम

कजोड़मल बैरवा ने पक्षियों पर काम करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि चार साल बाद जब मैं घर जाऊंगा तो आस-पास पक्षियों के रहने के लिए बेहतर वातावरण बनाना चाहता हूं। पेड़-पौधों पर पक्षियों के घोसलों की भी देखभाल करूंगा। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्में हम कैदियों के मन में सकारात्मक सोच पैदा करती है और अकेलेपन में निराशा से उबरने का मौका देती है।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
26.	दैनिक भास्कर	Sep 06, 2012	19

घाटगेट स्थित सेंट्रल जेल में बायो-डायवर्सिटी फिल्म समारोह मनाया गया। फिल्म देखते कैदी।

कैदियों ने देखी बॉयो-डायवर्सिटी फिल्में

सिटी रिपोर्टर. जयपुर

सुबह 11:30 से 3 बजे तक कैदियों को विज्ञान के बारे में समझाया गया। वे फिल्मों के जरिए प्रकृति की संस्कृति देख खुश नजर आए। आपस में विज्ञान की बातों के साथ कंजर्वेशन के लिए प्रोत्साहित भी हुए, यह दृश्य देखने को मिला बुधवार सुबह घाटगेट स्थित सेंट्रल जेल में। यहां 'बायो-डायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल' और 'फोरम 2012' के तहत बायो-डायवर्सिटी बेस फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। दो स्लॉट में करीब 1500 कैदियों ने 'लास्ट होम', 'आरोहण', 'पाएंगे ऐसा एक जहां', 'रोलिंग ड्यून्स ऑफ थार' और 'माय होम इज ग्रीन' फिल्में देखीं। उप अधीक्षक प्रमोद शर्मा ने कहा कि स्क्रीनिंग की पीछे हमारी सोच है कि जब भी कैदी बाहर जाए, पर्यावरण के संरक्षण के लिए कदम बढ़ाए। कैदी यहां पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक है। आयोजकों की ओर से जेल के साथ वानिकी प्रशिक्षण संस्थान में वन विभाग के प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों को फिल्में दिखाई। वहीं प्रथम राजस्थान संस्था के केन्द्र पर बच्चों और महिलाओं के समूह के लिए हरित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

आज यह होगा खास

राजस्थान यूनिवर्सिटी के जनसंचार केंद्र में गुरुवार सुबह 10 बजे से दो दिवसीय रीवन फिल्म मेकिंग वर्कशॉप होगी। इसमें भारत के सुप्रसिद्ध डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकर विजय बेदी मेकिंग के गुर सिखाएंगे। कन्नोडिया कॉलेज, इंडिया इंटरनेशनल स्कूल, सुबोध पीजी कॉलेज, इंडियन आर्मी और राजस्थान पुलिस अकादमी में फिल्मों का प्रदर्शन होगा।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012
TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
27.	लोकदशा	Sep 06, 2012	12

शिक्षा से जोड़कर बचाया जा सकेगा पर्यावरण

लोकदशा डेस्क

पर्यावरण का मसला आज पूरी दुनिया में वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। मौजूदा समय में जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का मसला सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील हो गया है। इसका कारण है कि विकास और औद्योगिकीकरण की अंधी दौड़ में शहरों से लेकर गांवों तक लगातार कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप हरियाली धीरे-धीरे सिमटती जा रही है।

हालांकि हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस जोर-शोर से मनाया जाता है और विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। इस सबके बावजूद पर्यावरणीय संकट की चुनौतियों से निपटना आज सबसे बड़ी समस्या बना हुआ है।

हाल ही जयपुर में बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन हुआ। इसमें पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता से जुड़े मसलों पर चर्चा हुई। फेस्टिवल के उद्घाटन मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कानूनों की सही पालना सुनिश्चित करने में सभी के सहयोग की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इस संबंध में कानून तो कई बने हुए हैं, लेकिन उनकी सही मायनों में पालना हो, इसके लिए सभी नागरिकों को आगे आकर सरकारों का सहयोग करना चाहिए। गहलोत ने इस बात पर भी बल दिया कि कि आज स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रमों में जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण को समुचित जगह मिलनी चाहिए ताकि बचपन में ही विद्यार्थियों को इस संबंध में जानकारी मिल सके। उन्होंने स्कूली बच्चों एवं आमजन में वन्यजीवों एवं पर्यावरण को बचाने के प्रति जागरूकता पैदा करने पर भी जोर दिया।

इसमें कोई दोराय नहीं कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी दुनिया की उन नेताओं में शुमार रहीं, जिन्होंने पर्यावरण संतुलन के प्रति दुनिया में एक संदेश दिया। यह बात सबको पता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू प्रकृति व पर्यावरण प्रेमी थे, इसलिए वे अपने कोट में हमेशा गुलाब का फूल लगाते थे। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच थी। मौजूदा यूपीए सरकार भी पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में कोई कौर-कसर नहीं छोड़ रही है।

अगर राजस्थान की बात की जाए, तो राज्य की गहलोत सरकार ने राजस्थान पर्यावरण मिशन के सहयोग से प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसमें वन नीति, पर्यावरण नीति एवं ईको ट्यूरिज्म पॉलिसी बनाना शामिल है। हरित राजस्थान अभियान भी पर्यावरण संरक्षण एवं विकास की दिशा में किए गए राज्य सरकार के प्रयासों का एक अहम हिस्सा रहा है। इससे लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा हुई है और वन क्षेत्र बढ़ाने में मदद मिली है। यह महत्वपूर्ण बात है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दशक घोषित किया है जिसे आगे बढ़ाने की दिशा में सभी को प्रयास करने की जरूरत है।

गहलोत का मानना है कि डिस्कवरी, नेशनल ज्योग्राफिक एवं एनिमल वर्ल्ड जैसे टीवी चैनलों से भी लोगों में जैव विविधता के प्रति एक सकारात्मक सोच पैदा करने में मदद मिली है। यह भी सही है कि जैव विविधता पर फिल्म फेस्टिवल जैसे आयोजन से बच्चों एवं युवा वर्ग में पर्यावरण को संरक्षित करने के प्रति जागरूकता पैदा होगी। मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित और पानी वाले बाबा के नाम से चर्चित तरुण भारत संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह भी मानते हैं कि जैव विविधता के क्षेत्र में राजस्थान दूसरे अन्य राज्यों से बहुत आगे है। सरिस्का में बाघों के संरक्षण में स्थानीय लोगों का सहयोग लेने के प्रयास सराहनीय हैं।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum 2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
28.	राजस्थान पत्रिका	**Sep 06, 2012**	**16**

[फिल्म फेस्टिवल] कैदियों में अवेयरनेस लाने के लिए सेंट्रल जेल में हुई फिल्मों की स्क्रीनिंग

छाया पर्यावरण का फिल्मी वातावरण

जयपुर. सजायाफ्ता और विचाराधीन कैदियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए वातावरण पर आधारित फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। मौका था सीएमएस वातावरण और राजस्थान यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर मास कम्यूनिकेशन और डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग के तत्वावधान में केन्द्रीय कारागार में आयोजित 'बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल एंड फोरम' का। फेस्टिवल में बुधवार को 'पाएंगे ऐसा एक जहां', 'ए माई होम इज ग्रीन', 'लॉस्ट होम', 'आरोहण' और 'टॉलिंग ड्यूम्स ऑफ थार' जैसी फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई।

खास

देखने में आता है कि जेल में इस तरह की फिल्मों की स्क्रीनिंग नहीं की जाती, लेकिन ऐसा प्रयोग जयपुर की जेल में किया गया। इसमें वातावरण पर आधारित फिल्मों की स्क्रीनिंग और परिचर्चा का आयोजन हुआ।

समझे विभिन्न पहलू

कारागार में समारोह का उद्घाटन फेस्टिवल निदेशक अलका तोमर, उप अधीक्षक प्रमोद शर्मा और जेलर कैलाश शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। इस अवसर पर प्रमोद शर्मा ने कहा कि फिल्मों के जरिए पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं के बारे में लोगों को जागरूक करने का प्रयास प्रशंसनीय है।

फेस्टिवल के तहत फॉरेस्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में वन विभाग के प्रशिक्षुओं और अधिकारियों के लिए फिल्म स्क्रीनिंग और परिचर्चा का आयोजन किया गया। साथ ही प्रथम राजस्थान के एक केंद्र पर भी बच्चों और महिलाओं के समूह के लिए एन्वायर्नमेंट पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर सीएमएस की ओर से फेस्टिवल संयोजक प्रिया वर्मा और प्रथम की ओर से छवि व्यास मौजूद थीं।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
29.	पंजाब केसरी	Sep 06, 2012	02

बॉयोडायवर्सिटी पर बनी फिल्में देखीं कैदियों ने

जयपुर,(कासं): बॉयोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और फोरम-2012 के तीसरे दिन बुधवार को घाटगेट स्थित सेन्ट्रल जेल में कैदियों को फिल्में दिखाई गईं। इसमें उन्हें लास्ट होम, आरोहण, पाएंगे ऐसा एक जहां, रोलिंग ड्यून्स ऑफ थार और माय होम इज ग्रीन की स्क्रीनिंग की गई। इस मौके पर फेस्टिवल निदेशक अलका तोमर, सेन्ट्रल जेल के उप अधीक्षक प्रमोद शर्मा और जेलर कैलाश शर्मा ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उप अधीक्षक प्रमोद शर्मा ने कहा की फिल्मों के जरिए पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं के बारे में लोगों को जागरूक करने का प्रयास सराहनीय है। अलका तोमर ने कहा कि वातावरण की नॉलेज मिलने के साथ अब ये संरक्षण में भी आगे बढ़ेंगे। दो स्लॉट में 500 सजायाफ्ता और 1000 विचाराधीन दोनों तरह के कैदियों ने देखी। इसके अलावा जेएलएन मार्ग स्थित वानिकी प्रशिक्षण संस्थान में वन विभाग के प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों ने फिल्म देखीं। इसके साथ ही प्रथम राजस्थान संस्था के भट्टा बस्ती केन्द्र पर बच्चों और महिलाओं के समूह के लिए हरित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

ग्रीन फिल्म मेकिंग वर्कशॉप : गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के जनसंचार केन्द्र में दो दिवसीय ग्रीन फिल्म मेकिंग वर्कशॉप होगी। इसमें भारत के सुप्रसिद्ध डाक्यूमेंट्री फिल्म मेकर विजय बेदी मेकिंग के गुर सिखाएंगे। वहीं कानोड़िया कॉलेज, इंडिया इंटरनेशनल स्कूल, सुबोध पीजी कॉलेज, इंडियन आर्मी और राजस्थान पुलिस अकादमी में फिल्मों का प्रदर्शन होगा।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
30.	समाचार जगत	Sep 06, 2012	02

कैदियों ने जाना पर्यावरण संरक्षण के बारे में

जयपुर, (कासं.)।

सीएमएस वातावरण की ओर से आज सेंट्रल जेल में फिल्म शो के माध्यम से कैदियों को जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई।

सीएमएस वातावरण की अलका तोमर ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल के सहयोग से पहली बार ऐसा आयोजन किया जा रहा है। उन्होने बताया कि पांच शार्ट फिल्मों के जरिए कैदियों को पानी बचाने, पौधे लगाने, वन्यजीवन बचाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर सेंट्रल जेल के उपअधीक्षक प्रमोद शर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
31.	मार्निंग न्यूज	Sep 06, 2012	02

कैदियों ने जानी जैव विविधता की बारीकियां

जयपुर, 5 सितम्बर (मोन्यू)। जयपुर सेन्ट्रल जेल के कैदियों ने बुधवार को फिल्मों के माध्यम से जैवविविधता के बारे में जाना। जैल के 500 सजायाफ्ता और एक हजार विचाराधीन कैदियों ने ये फिल्में देखी।

मौका था बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और फोरम-2012 के तीसरे दिन फिल्मों की स्क्रीनिंग का। इसके तहत जयपुर सेन्ट्रल जेल में लास्ट होम, आरोहण, पाएंगें ऐसा एक जहां, रोलिंग ड्यून्स आफ थार और माय होम इज ग्रीन की फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
32.	डेली न्यूज	Sep 07, 2012	14

वाइल्ड लाइफ फिल्म मेकर विजय बेदी ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री फिल्मों को युवाओं के माहौल की जरूरत है

यंग सपोर्ट से बनेगी बात

मेट्रो रिपोर्टर

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
33.	दैनिक भास्कर	Sep 07, 2012	19

...पंछियों को उड़ने दें

ग्रीन फिल्म मेकर विजय बेदी ने शहर में हो रहे कार्यक्रम में हिस्सा लिया और बताए अनुभव

मेरे लिए देश का हर स्टेट एक देश के समान है। हर कहीं नेचर बिखरी पड़ी है और मुझे हर कहीं फोटोग्राफी और फिल्म बनाने में मजा आता है, लेकिन लाल पांडा की फिल्म बनाने का अनुभव खास रहा। लाल पांडा को बचाने की जरूरत है, क्योंकि वे पूरी दुनिया में 1500 से कुछ ही ज्यादा होंगे। टाइगर से भी कम। हम उनकी फिल्म बनाने के लिए रोजाना 6 घंटे पैदल चलते थे। एक पहाड़ से दूसरे और दूसरे से तीसरे। तीन साल में फिल्म तैयार हुई। बात की जाए राजस्थान की तो यहां भी वाइल्ड लाइफ को लेकर बहुत कुछ है। राज्य पक्षी गोडावन भी मुसीबत में है। वह एक शानदार पक्षी है। मेरे पिताजी और चाचा ने भी राजस्थान के गोडावन पर फिल्म बनाई है। साथ ही मैंने यहां टाइगर और बिश्नोई समाज पर भी काम किया है। ग्रास फील्ड खत्म होते जा रहे हैं, तो वे भी कम हो रहे हैं।

बहुत कम लोग जानते होंगे कि सामान्य सा दिखने वाला मेंढक भी दुनिया में कई रंगों में पाया जाता है। नदियां खत्म होती जा रही हैं तो मेंढक भी खत्म होते जा रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हम घरों में जानवर पालते हैं, लेकिन वाइल्ड लाइफ के जानवरों को नहीं पालना चाहिए। डोमेस्टिक जानवर पालने में मुझे हर्ज नहीं। हां, एक बात जरूर कहूंगा कि पंछियों को नहीं पालना चाहिए। चाहे वे किसी भी ब्रीड के हों, कितने भी कमजोर हों। क्योंकि इंसान डोमेस्टिक जानवरों (कुत्तों-घोड़ों) को वातावरण दे सकता है, लेकिन पंछियों को खुला वातावरण जमीन पर मुहैया नहीं करवा सकता।

(जैसा उन्होंने विजय सिंह को बताया)

स्टूडेंट्स ने जानी नेचर फोटोग्राफी

सिटी रिपोर्टर. बायो-डायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल और फोरम- 2012 के तहत गुरुवार को शहर के स्कूल और कॉलेजों के स्टूडेंट्स को बायो-डायवर्सिटी बेस फिल्में दिखाई गईं। फिल्म दिखाने की शुरुआत इंडियन आर्मी क्षेत्र से हुई। इसके बाद कनोडिया और सुबोध कॉलेज में फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। फिर आईआईएस स्कूल में एनिमेशन फिल्म के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

वर्कशॉप की शुरुआत

कार्यक्रमों की शृंखला में गुरुवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी के जनसंचार केन्द्र में नेचर व वाइल्ड लाइफ शूटिंग की वर्कशॉप शुरू हुई। दो दिवसीय वर्कशॉप के दौरान पहले दिन करीब 60 स्टूडेंट्स को जेएलएन मार्ग स्थित एक वन में ग्रीन फिल्म मेकर विजय बेदी ने नेचर फोटोग्राफी के गुर सिखाए। इसमें स्टूडेंट्स को प्रकृति के दृश्यों के साथ वाइल्ड लाइफ पर फिल्म बनाने और फोटो खींचने के बारे में बताया गया। स्टूडेंट्स ने खुद के कैमरों से मौके पर ही शूटिंग और फोटोग्राफी की।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
34.	DNA	Sep 07, 2012	

Film festival

At Bharatiya Vidya Bhavan Vidyashram, Pratap Nagar a three-day film festival was organized in collaboration with CMS Vatavaran. N Bhaskar Rao, chairman and general CMS inaugurated the festival. Films like 'Home – Our Garden of Eden', 'Cute Bunny' were screened for students.

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
35.	राजस्थान पत्रिका	Sep 07, 2012	18

सीखे ग्रीन फिल्म मेकिंग के गुर

Just रिपोर्टर
justreporter.jaipur@patrika.com

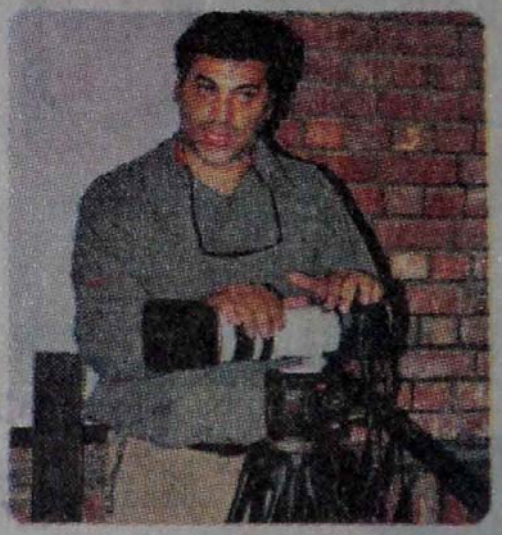

जयपुर. वातावरण फिल्म फेस्टिवल के चौथे दिन गुरुवार को ग्रीन फिल्म मेकर विजय बेदी ने जयपुर के बच्चों को ग्रीन फिल्म बनाने के गुर सिखाए। दो दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए बेदी ने सीएमएस वातावरण की सराहना करते हुए छात्रों को ग्रीन फिल्म मेकिंग के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह जरूरी नहीं कि हम अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग करके ही फिल्में बनाए। हमारे पास जो तकनीक उपलब्ध हैं, हम उसका प्रयोग करके भी अपना संदेश लोगों तक पहुंचा सकते हैं।

कार्यशाला में सिक्किम मनीपाल, इंटरनेशनल कॉलेज फॉर गर्ल्स, कानोड़िया महिला महाविद्यालय, जनसंचार केंद्र राजस्थान विश्वविद्यालय और अमेटी से 56 छात्रों ने भाग लिया। पहले दिन बेदी ने हरित फिल्मों में प्रयोग की जाने वाली तकनीकों, विविध शॉट्स के बारे में जानकारी दी। इसके बाद छात्रों को कर्पूर चंद्र कुलिश स्मृति वन ले जाया गया, जहां बच्चों ने विजय बेदी के निर्देशन में शूटिंग में भाग लिया।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
36.	पंजाब केसरी	Sep 07, 2012	02

छात्रों ने सीखे ग्रीन फिल्म मेकिंग के गुर

जयपुर, (कासं): राजस्थान विश्वविद्यालय के लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग, सेंटर ऑफ मास कम्यूनिकेशन और सीएमएस वातावरण के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को वातावरण फिल्म महोत्सव के चौथे दिन ग्रीन फिल्म मेकिंग कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें सुप्रसिद्ध ग्रीन फिल्म मेकर विजय बेदी ने दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए बच्चों को ग्रीन फिल्म बनाने के गुर सिखाए।

उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह जरूरी नहीं कि हम अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर ही फिल्में बनाएं हमारे पास जो तकनीक उपलब्ध है, हम उसका प्रयोग करके भी अपना संदेश लोगों तक पहुंचा सकते हैं। विजय बेदी ने हरित फिल्मों में प्रतिभागियों को प्रयोग की जाने वाली तकनीकों, शॉट्स के प्रकार, इन की चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद में छात्रों को कुलिश स्मृति वन ले जाया गया, जहां उन बच्चों ने अपने-अपने कैमरों से विजय बेदी के निर्देशन में शूटिंग की। इस मौके पर सिक्कम मनीपाल, इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ गर्ल्स, कनोड़िया महिला महाविद्यालय, जनसंचार केंद्र राजस्थान विश्वविद्यालय की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग की निदेशक प्रो. शशि सहाय ने सभी आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
37.	राजस्थान पत्रिका	Sep 08, 2012	16

सभी को करने होंगे प्रयास

जयपुर. 'हम सब को पर्यावरण को क्षय से बचाने और जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए प्रयास करने होंगे।', यह कहना है प्रमुख वन संरक्षक यू. एम. सहाय का। उन्होंने यह बात शुक्रवार को लाइफ लॉन्ग लर्निंग डिपार्टमेंट के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'बायोडायवर्सिटी ऑफ राजस्थान फ्रॉम क्लाइमेट चेंज' पर आयोजित पैनल डिस्कशन में कही। इस परिचर्चा में डॉ. ब्रजगोपाल ने कहा कि जल स्त्रोतों को बचाने के प्रयास करने होंगे। द आईआईएस विवि में 'पब्लिक सर्विस अनाउंसमेंट ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ द कॉमंस', 'द विंग्स ऑफ द सन' जैसी डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। कानोडिया कॉलेज और एसएस जैन सुबोध कॉलेज में भी फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। साथ ही इंडियन आर्मी के साउथ वेस्टर्न मुख्यालय में भी ग्रीन फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
38.	दैनिक भास्कर	Sep 08, 2012	24

एक छोटा प्रयास बचाएगा बॉयो-डायवर्सिटी

जलवायु परिवर्तन से राजस्थान की जैवविविधता पर प्रभाव वर्कशॉप में पैनल डिस्कशन।

सिटी रिपोर्टर. जयपुर वातावरण फिल्म फेस्टिवल के पांचवें दिन शुक्रवार को 'जलवायु परिवर्तन का राजस्थान के जैव विविधता पर प्रभाव' वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें प्रमुख वन संरक्षक और हैड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स यू एम सहाय ने कहा कि हम सब को पर्यावरण को जलवायु परिवर्तन से बचाने के लिए प्रयास करने होंगे। इसमें प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. ब्रजगोपाल ने कहा कि हम सब को जल स्रोतों को बचाना होगा। इनके साथ एफईएस से बी.के. शर्मा, राजस्थान बॉयो-डायवर्सिटी बोर्ड के मेम्बर सेक्रेटरी के.के.गर्ग, सीईएसडीजे के चेयरमैन एम.एस.राठौड़ उपस्थित रहे। साथ ही फिल्म मेकिंग कार्यशाला के दूसरे दिन विजय बेदी ने हरित फिल्मों की एडिटिंग की बारीकियों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद बेदी और प्रो.शशि सहाय ने स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट दिए। कनोड़िया कॉलेज, सुबोध कॉलेज, इंडियन आर्मी के साउथ वेस्टर्न कमांड के मुख्यालय में फिल्में दिखाई गईं। इस मौके पर महापौर ज्योति खंडेलवाल ने कहा कि अगर हम सब नेचर को बचाने के लिए एक छोटा प्रयास करेंगे तो सफल हो जाएंगे। अंतिम दिन शनिवार को दूदू के पास लापोड़िया गांव में फिल्मों का प्रदर्शन होगा। गौरतलब है कि यहां से लक्ष्मण सिंह ने पर्यावरण संरक्षण में अवॉर्ड पाया है। फेस्टिवल सीएमएस वातावरण की ओर से राजस्थान यूनिवर्सिटी के लाइफ लॉन्ग लर्निंग और सेंटर ऑफ मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के सहयोग से हो रहा है।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
39.	पंजाब केसरी	Sep 08, 2012	03

पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशाला

जयपुर, (कासं): वर्तमान समय में शहर की चकाचौंध व ग्लैमर को छोड़कर वन्य क्षेत्रों एवं वहां के जीव-जन्तुओं के बारे में जानना, वहां की समस्याओं को समझना और वहां पर विकास के लिए कार्य करना आज वाकई एक चुनौती भरा कार्य बन चुका है। सही मायनों में पर्यावरण को संवारने के लिए और वन्य जीवों को सुरक्षित रखने के लिए हमें कोई न कोई ठोस कदम उठाना होगा और इसी दिशा में दि आईआईएस युनिवर्सिटी और सी.एम.एस. वातावरण ने संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं को जैव-विविधता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया। ईकोलोजिकल सिक्योरिटी की केम्पेन मैनेजर निम्मी चौहान और सीएमएस की दिप्ती रॉय ने छात्राओं को जैव-विविधता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य को सार्थक रूप देने के लिए फिल्म स्क्रिनिंग का कार्यक्रम आयोजित किया।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
40.	दैनिक नवज्योति	Sep 08, 2012	04

पर्यावरण संरक्षण को लेकर छात्राओं ने देखी फिल्म

जयपुर। द आई.आई.एस. यूनिवर्सिटी और सीएमएस वातावरण संस्था के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं को जैव विविधता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया। निम्मी चौहान, कैम्पेन मैनेजर, ईकोलॉजिकल सिक्योरिटी और दिशी रॉय, प्रोग्राम एग्जेक्यूटिव, सी.एम.एस. वातावरण ने छात्राओं को जैव विविधता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य को सार्थक रूप देने के लिए फिल्म स्क्रिनिंग का कार्यक्रम आयोजन किया। कार्यक्रम को तीन भागों में बांटा गया, पहले भाग में पब्लिक सर्विस अनाउंसमेंट ऑन द प्रोटेकशन ऑफ द कॉमन व द विंगस ऑफ द सन नामक इंगलिश डॉक्यूमेंट्री बीजेएमसी और एमजेएमसी की छात्राओं को दिखाई गई। द्वितीय भाग में लियोपार्ड इन द लर्च, वाट गोज अराउंड व लाइफ रेपटाईलस एण्ड एमफिबिएंस नामक डाक्यूमेंट्रि बीएससी की छात्राओं को दिखाई और तीसरे भाग में पब्लिक सर्विस अनाउंसमेंट ऑन द प्रोटेकशन ऑफ द कॉमन व दी पैक पांच एपिसोड नामक डॉक्यूमेंट्री दिखाई। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से उन्होंने छात्राओं को जैव विविधता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने कि जरूरत को बताया।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
41.	दैनिक भास्कर	Sep 08, 2012	24

पर्यावरण संरक्षण पर फिल्म फेस्टिवल

सिटी रिपोर्टर. पर्यावरण को संवारने और वन्यजीवों को सुरक्षित रखने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे। इसी दिशा में द आईआईएस यूनिवर्सिटी और सीएमएस वातावरण के संयुक्त तत्वावधान में फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जैव विविधता और पर्यावरण को सुरक्षित रखना है। फेस्टिवल को तीन भागों में बांटा गया। जिसके पहले भाग में पब्लिक सर्विस अनाउंसमेंट ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ द कॉमन व द विंग्स ऑफ द सन नामक इंग्लिश डॉक्यूमेंट्री बी जेएमसी और एमजेएमसी की छात्राओं को दिखाई गई। द्वितीय भाग में लियोपार्ड इन द लर्च, वॉट गोज अराउंड व लाइफ रेपटाइल्स एंड एमफिबिएंस नामक डॉक्यूमेंट्री बीएससी की छात्राओं को दिखाई गई।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
42.	डेली न्यूज	Sep 08, 2012	14

लोकल कनेक्शन से लड़ें ग्लोबल वार्मिंग की लड़ाई

क्लाइमेट चेंज से बायोडायवर्सिटी के लिए चुनौती पर सेमिनार

मेट्रो रिपोर्टर जयपुर ■ 7 सितंबर

ग्लोबल वार्मिंग जैसे बड़े खतरे से लड़ने के लिए लोकल लेवल पर ज्यादा और बेहतर काम करने की जरूरत है तभी इसका ग्लोबली इफेक्ट होगा। लोकल से ग्लोबल का यह कनेक्शन ही ग्लोबल वार्मिंग से लड़ाई लड़ेगा। हालांकि ग्लोबल वार्मिंग जैसे बड़े खतरे से पहले हमें लगातार कम होते पानी पर फोकस करना होगा।

शहर के पर्यावरण विशेषज्ञों ने 'क्लाइमेट चेंज से राजस्थान की बायोडायवर्सिटी के लिए खड़ी चुनौती' विषय पर शुक्रवार को अपनी यह राय दी है। विशेषज्ञ सीएमएस वातावरण और राजस्थान यूनिवर्सिटी के मास कम्यूनिकेशन व लाइफ लांग लर्निंग डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित सेमीनार में बोल रहे थे। वन विभाग में पीसीसीएफ यू एम सहाय ने कहा कि यदि इसी गति से कार्बनडाइ आक्साइड और अन्य गर्म गैसें वातावरण में जाती रहीं तो सन् 2100 तक विश्व का तापमान 5 डिग्री अधिक हो जाएगा। लगातार बढ़ रहे तापमान का असर जंगल और उत्पादन पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि एक अनुमान है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ही सभ्यता नष्ट होगी। वहीं नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोलॉजी के वाइस प्रेसीडेंट डॉ. ब्रिज गोपाल ने अपनी राय देते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग पूरे विश्व के लिए खतरा है और जिस बढ़ते तापमान की हम बात कर रहे हैं वो सभी जगह एक जैसा नहीं बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हमें राजस्थान के ग्राउंड वाटर में आने वाली गिरावट पर ज्यादा चिंता करने की जरूरत है। राजस्थान बायोडायवर्सिटी बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी केके गर्ग ने बताया कि राजस्थान के पास देश के कुल एक प्रतिशत पानी की उपलब्धता है और उसमें भी गिरावट आ रही है।

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
43.	दैनिक नवज्योति	Sep 08, 2012	4

बायोडायवर्सिटी फिल्म कार्यक्रम का समापन

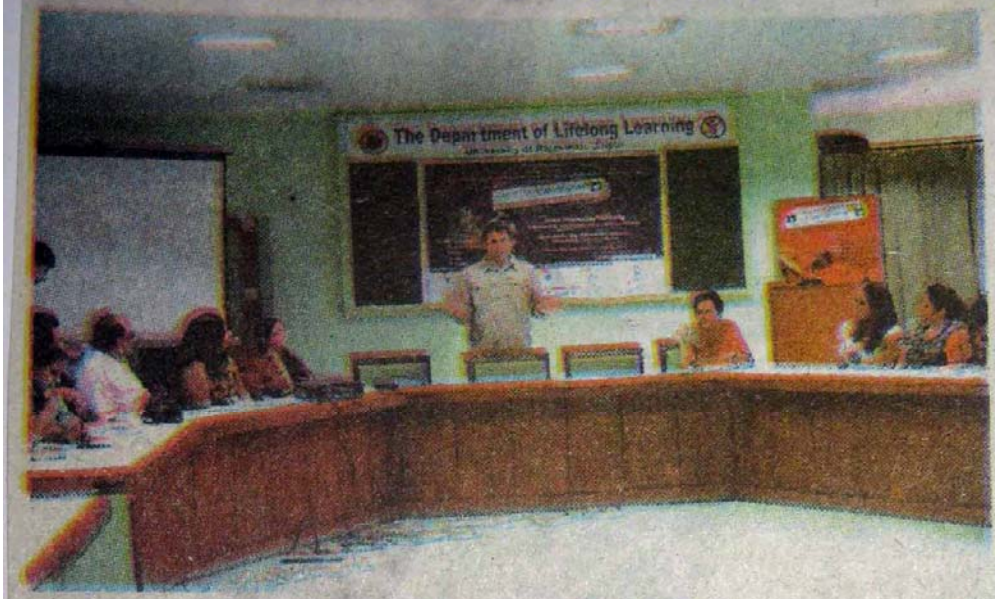

जयपुर। टूथ टू बी टोल्ड बायोडायवर्सिटी इज वर्थ मोर देन गोल्ड वृक्ष धरा के भूषण हैं, करते हैं दूर प्रदूषण है। ऐसे ही कुछ स्लोगन विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने राजस्थान विश्वविद्यालय के लाइफ लॉग लर्निंग विभाग में आयोजित बायोडायवर्सिटी फिल्म कार्यक्रम के समापन समारोह में दिखाई दिए। इस अवसर पर स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संबंधित विचार लिखें, उन्हें झालाना पार्क में जाकर वन्य जीवों को देखा, और राजस्थान की जैव विविधता का अनुभव किया। साथ ही फिल्म मैकिंग के गुर सीखे। डीएलएल विभाग की निदेशक प्रो. शशि सहाय ने बताया कि राजस्थान में पर्यावरण संबंधी फिल्म उत्सव तीन से सात सितंबर तक आयोजित किया गया, जिसमें करीब 30 से अधिक फिल्मों के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के करीब बीस हजार छात्र-छात्राएं लाभांवित हुए। उन्होंने बताया कि फिल्म प्रदर्शन के माध्यम से विभाग की ओर से जैव-विविधता पर प्रश्नोत्तरी के द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। डीएलएल विभाग के सभागार में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि फिल्ममेकर विजय बेदी ने विद्यार्थियों को फिल्म एडिटिंग का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजस्थान बायोडायवर्सिटी बोर्ड के मेम्बर सेक्रेट्री के.के. गर्ग, क्षेत्रीय टीम लीडर एफईएस डॉ. एन. पाण्डे और डॉ. एमएस राठौड़ ने भी पर्यावरण के प्रति अपने विचार व्यक्त किए।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
44.	दैनिक भास्कर	Sep 09, 2012	

गांवों में है सोने की चिड़िया

फिल्म फेस्टिवल के दौरान स्टूडेंट्स को बायोडायवर्सिटी के बारे में बताते विशेषज्ञ।

जयपुर बायोडायवर्सिटी फिल्म फेस्टिवल के तहत मालपुरा स्थित स्कूल में दिखाई फिल्में

सिटी रिपोर्टर. बढ़ते शहरीकरण से जीव-जंतुओं के बसेरे की समस्याओं पर बनी फिल्म 'लास्ट होम' देखकर दर्शकों के चेहरे मायूस हो गए। दर्शक कहने लगे, शहर में सिर्फ कमाई है, पर हमारे गांव में सोने की चिड़िया है। हम गांव में खुश हैं, यहीं रहेंगे। आगे बढ़ेंगे। ये सब देखने को मिला जयपुर वातावरण फिल्म फेस्टिवल के छठे और आखिरी दिन शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालपुरा में। जहां ग्रीन फिल्मों का प्रदर्शन और परिचर्चा का आयोजन किया गया। 'लास्ट होम' के साथ मिथुन चक्रवर्ती, गुलशन ग्रोवर अभिनीत गिरिजा जोशी निर्देशित फिल्म 'जोर लगा के हइया' का भी प्रदर्शन किया गया। इसमें चार बच्चों के अपनी कॉलोनी के एक पेड़ को बिल्डरों से बचाने के संघर्ष की कहानी है। इस मौके पर स्कूल के 800 बच्चे, अभिभावक, स्कूल प्रिंसिपल रामधन चौधरी, राजस्थान यूनिवर्सिटी के लाइफलॉन्ग लर्निंग डिपार्टमेंट डायरेक्टर प्रो. शशि सहाय, जनसंचार केन्द्र के संजीव भानावत, सीएमएस की दीप्ति रॉय उपस्थित रहीं।

JAIPUR CMS vatavaran
Biodiversity Film Festival and Forum
2012 TRAVELLING

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
45.	राजस्थान पत्रिका	Sep 09, 2012	

फिल्म महोत्सव का समापन

जयपुर. जयपुर सीएमएस वातावरण फिल्म महोत्सव के आखिरी दिन शनिवार को टोंक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालपुरा में ग्रीन फिल्मों का प्रदर्शन और परिचर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर ग्राम विकास नवयुवक मंडल लापोडिया के संस्थापक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि प्रकृति को बचाने और इसके दुष्प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक करने का सराहनीय प्रयास है। सीएमएस वातावरण की फेस्टिवल निदेशक अलका तोमर ने दिखाई गई फिल्मों के बारे में लोगों को बताया और उन्हें पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया। इस अवसर पर गावों की महिलाओं को दो स्लॉटों में 4 फिल्में दिखाई गई, जिनमें स्कूल के बच्चों सहित लगभग 800 लोगों ने हिस्सा लिया। फेस्टिवल के दौरान मिथुन चक्रवर्ती, गुलशन ग्रोवर अभिनीत और गिरीश गिरिजा जोशी द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म 'जोर लगा के हइया' का प्रदर्शन किया गया।

S.No.	Name of Publication	Date	Page No
46.	Hindustan Times	Sep 09, 2012	

Jaipur mayor Jyoti Khandelwal lights a lamp to inaugurate a seminar on biodiversity while Army Commander, South Western Command, Lt Gen Gyan Bhushan looks on. (Below) A plantation drive being carried out at Army Station, Jaipur. HT photo

Awareness drive on biodiversity

HT Correspondent
htraj@hindustantimes.com

Jaipur: A two-day Biodiversity Conservation Seminar 2012 was organised at the Jaipur Military Station. The seminar was hosted by Army's South Western Command and was conducted by the Centre for Media Studies, an Environmental Forum based in New Delhi. The Centre for Media Studies spread awareness about biodiversity and sensitize the public with regard to

global environmental issues that are faced in day to day routine life.

Army Commander South Western Command, Lt Gen Gyan Bhushan and Mayor of Jaipur Mrs Jyoti Khandelwal lit a lamp together. .

A talk on Biodiversity issues was also delivered by Col PS Bindra, an environmentalist. A tree plantation was organized to mark the closing of the event. Lt Gen Gyan Bhushan and Maj Gen KJS Thind, GOC 61 Sub Area and Mrs Jyoti Khandelwal Mayor of Jaipur planted trees.

The event highlighted concerns regarding environmental issues being faced today and measures to control the rapidly degenerating biodiversity of the nation.